Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
MD 303

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Dec. – 2017

M.A. Philosophy (Semester: Third)
Philosophy
तृतीय प्रश्न-पत्र (वेदान्त मीमांसा - तृतीय)

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. अधोलिखित सूत्रों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -
   (1) प्राणगतेश्च (2) साभाव्यापत्तिरूपपत्तेः
2. अधीत ग्रन्थानुसार स्वप्न सृष्टि का प्रमाणपूर्वक विवेचन करें।
3. निम्नांकित सूत्रों की भाष्यानुसार सप्रसंग व्याख्या करें -
   (1) अनियमः सर्वासामविरोधः शब्दानुमानाभ्याम्।
   (2) छन्दत उभयाविरोधः।
4. मीमांसान्यायप्रकाशानुसार मन्त्र की अर्थवत्ता प्रमाणपूर्वक प्रस्तुत करें।
5. मीमांसान्यायप्रकाश के अनुसार सभेद भावना के स्वरूप को प्रतिपादित करें।

खण्ड-ख
(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. वेदान्तदर्शन के परिप्रेक्ष्य में पुनर्जन्म पर प्रकाश डालिए।
2. व्यतिहारो विशिंषन्ति.....इस सूत्र की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
3. ब्रह्ममुनिभाष्य के वैशिष्ट्य को संक्षेप में प्रतिपादित करें।
4. मीमांसान्यायप्रकाश के अनुसार नामधेय की सार्थकता स्पष्ट करें।
5. अर्थवाद से आप क्या समझते हैं ? मीमांसान्यायप्रकाश के आलोक में संक्षेप में समझाइये।
6. निःश्रेयस किन कर्मों का फल है ? सप्रमाण लिखें।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×1/2=05)**

1. ब्रह्मसूत्र के प्रणेता हैं.....
   (अ) शंकराचार्य (ब) कपिल
   (स) कणाद (द) बादरायण–व्यास
2. ब्रह्मसूत्र तृतीय अध्याय के प्रथमपाद में कितने सूत्र हैं.....?
   (अ) दस (ब) सत्ताइस
   (स) पाँच (द) चार
3. अद्वैतमत के प्रवर्तक आचार्य हैं.....
   (अ) कपिलाचार्य (ब) गौतमाचार्य
   (स) मम्मटाचार्य (द) शंकराचार्य
4. ब्रह्मसूत्र तृतीय अध्याय में कितने पाद हैं.....?
   (अ) तीन (ब) चार
   (स) दो (द) एक
5. परिसंख्या कितने प्रकार की होती है.....?
   (अ) दो (ब) चार
   (स) दस (द) पाँच
6. "अत्यन्तमप्राप्ते सति" यह लक्षण है.....
   (अ) नियमविधि (ब) परिसंख्याविधि
   (स) अपूर्वविधि (द) अधिकारविधि
7. मत्वर्थलक्षणा के भय से स्वीकार किया जाता है.....
   (अ) अर्थवाद (ब) मन्त्र
   (स) निषेध (द) नामधेय
8. आपदेव के गुरू थे.....
   (अ) प्रभाकर (ब) नागेशभट्ट
   (स) हरिदीक्षित (द) अनन्त
9. अर्थवाद के भेद होते हैं.....
   (अ) चार (ब) दो
   (स) पाँच (द) ग्यारह
10. "चित्रया यजेत पशुकामः" इस वाक्य में नामधेय का निमित्त है.....
    (अ) मत्त्वर्थलक्षणाभय (ब) वाक्यभेदभय
    (स) तत्परत्व्य (द) तद्व्यपदेश

----------X----------